

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल होटल ताज में आयोजित 'मातृ शक्ति सम्मान' समारोह में हुई
सम्मिलित

विविध क्षेत्र में कार्यरत 13 ग्रामीण महिलाओं को किया सम्मानित

सभी योजनाओं को पात्र लाभार्थी तक पहुंचाना एक दायित्व

कृषि क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाओं का भी हो सम्मान

महिलाओं में आय सृजन के साथ-साथ सोच भी बदली है

समाज में परिवर्तन आकस्मिक नहीं बल्कि धीरे-धीरे होता है

—राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 23 दिसंबर, 2023

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल आज टाइम्स नेटवर्क द्वारा होटल ताज में आयोजित मातृ शक्ति सम्मान समारोह में सम्मिलित हुईं व विभिन्न जनपदों से विविध क्षेत्र में कार्यरत एस०एच०जी० समूह की 13 ग्रामीण महिलाओं को सम्मानित किया।

राज्यपाल जी ने कलश में जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने उपस्थित नारी शक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह से महिलाएं हिम्मत करके जुड़ीं व विविध उद्यमों से आय सृजन कर आत्मनिर्भर बनीं। उन्होंने कहा कि हमें पहले अंदाजा ही नहीं था कि महिलाओं की शक्ति का उपयोग देश हित में भी हो सकता है, किन्तु अब

समय बदला है और ग्रामीण महिलाएं भी आगे आई हैं तथा देश, समाज और परिवार की उन्नति हेतु कार्य कर रही हैं।

महिलाओं को शक्तिमान बताते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि महिलाएं विविध माध्यम से अपने आय का सृजन कर उसका उपयोग परिवार को आगे बढ़ाने व बेटे-बेटियों को पढ़ाने में करती है। उन्होंने महिलाओं के समय प्रबंधन की तारीफ करते हुए बताया कि कैसे घर के कामकाज के साथ-साथ वे अन्य कार्यों को भी करती है तथा घर में सबसे बाद में सोती है और यदि घर में छोटे बच्चे हो तो रात में जागती भी हैं। राज्यपाल जी ने कहा कि हम लोगों ने महिला शक्ति का इतने सालों से उपयोग ही नहीं किया।

राज्यपाल जी ने केंद्र और राज्य सरकार की लाभार्थी परक योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि यह अब घर-घर तक पहुंची है और सभी योजनाओं को पात्र लाभार्थी तक पहुंचाना हमारा दायित्व बनता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं का सम्मान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं की विविध लघु उद्यमों में सक्रियता से आय सृजन के साथ-साथ उनकी सोच भी बदली है। विगत वर्षों से शिक्षा में आ रहे बदलाव की चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि आज विश्वविद्यालयों में 80 प्रतिशत छात्राएं परिणाम दे रही हैं। राज्यपाल जी ने जनपदों में जेल भ्रमण के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि जेल में ज्यादातर महिला बंदी दहेज के आरोपी होती हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित एस0एच0जी0 समूह की महिलाओं को कहा कि वे आसपास हो रहे बाल विवाह पर पुलिस को सूचित करें तथा दहेज की मांग पर वहां जाकर विरोध करें।

राज्यपाल जी ने कहा कि समाज में परिवर्तन आकस्मिक नहीं बल्कि क्रमिक एवं धीरे-धीरे होता है। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसी महिलाओं को ढूंढना चाहिए जिन्होंने समाज और परिवार के लिए कार्य किया है व उन्हें सम्मानित किए जाने की जरूरत है। राज्यपाल जी ने आज के कार्यक्रम में उपस्थित एवं सम्मानित महिलाओं से आगे और बढ़ने हेतु प्रेरित किया और कहा कि इस कार्य हेतु राजभवन से अपेक्षित मदद मिलेगी।

राज्यपाल जी ने उपस्थित नारी शक्तियों के साथ-साथ उनके सहयोग व कार्य करने की आजादी देने हेतु उनके परिवारजनों को भी बधाई दी।

इस अवसर पर कुल 13 महिलाओं को सम्मानित किया गया, जो प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आई थीं व विभिन्न लघु उद्यमों से जुड़ी हुई थीं। कार्यक्रम में वाराणसी से चंदा देवी तथा चंदौली से आई गायत्री देवी ने मंच पर अपने अनुभव भी साझा किये तथा राज्यपाल जी ने उनसे उनकी आय, बच्चों की पढ़ाई, कार्य शुरू करने के बाद परिवार को मिल रही सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी ली व उन्हें जीवन में और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री के सलाहकार, श्री अवनीश अवस्थी जी ने कहा कि यह प्रदेश का सौभाग्य है कि प्रदेश को महिला राज्यपाल मिली हैं। उन्होंने राजभवन तक सामान्य व्यक्तियों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए राज्यपाल जी की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज हर महिला, हर लड़की को उनका अधिकार मालूम है तथा विकसित भारत को आगे बढ़ाना तभी संभव है जब महिला आगे बढ़े।

इस अवसर पर टाइम्स ग्रुप के नवभारत टाइम्स के मैनेजिंग एडिटर श्री रंजीत कुमार व विविध क्षेत्रों से आई हुई महिलाएं तथा अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

संपर्क :
कृष्ण कुमार
सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र-8318116361

